

२६^५/_{२५}

पत्रावली पेश। वकीलवादी बाधिर।
पत्रावली में पूर्व में भी वकीलवादी
को अंतिम हितमत की गई थी
कि आगामी पेशी पर तामिल की
रसीदें पेश करें, अन्यथा आदेश
७ नियम ५ के तहत आदेश पारित
किया जाएगा लेकिन वकीलवादी
ने आज दिनांक तक तामिल की
रसीदें पेश नहीं की। अतः वादी
का वाद आदेश ७ नियम ५ के तहत
खारिज किया जाता है। पत्रावली
फैसल श्रुमार होकर नम्बर से कम
होकर दाखिल दफ्तर हो।

[Signature]
उपस्थित अधिकारी
नगर (सीकर)